

- ममझीते के लिए आवेदन किस कार्यवाहियों के संबंध में है, ये कार्यवाहियों का से संक्षिप्त है और किस धन-कर / प्राविकारी के असंक्षण संक्षिप्त है। (टिप्पण 6 देखिए) ।
8. वहाँ पुनरीक्षण के लिए कोई अपील या आवेदन, याचिन्यति, पुनरीक्षण के लिए ऐसी अपील या आवेदन के फाइल किए जाने के लिए विविध कालावधि की समाप्ति के पश्चात् किया गया है, जाहे ऐसी अपील या पुनरीक्षण स्वीकार किया गया हो, अथवा नहीं।
9. धन-कर अधिनियम का धारा 37क के अधीन अभिन्नत्व की तारीख, यदि कोई हो।

10. समझीते के लिए विवादों की विविट्यां, मामले की प्रहृति और परिस्थितियों और उसमें प्रत्यरूप अन्वेषण की जटिलताएं (टिप्पण 7 देखिए)
11. उस आग का पूर्ण और मही प्रकरण जो निर्वाचित अधिकारी के समक्ष प्रकट नहीं की गई है, वह रीति जिसमें ऐसी आय अनुपलग्न हुई है और ऐसी आय पर संदेश धन-कर की अतिविधि रकम (टिप्पण 9 और टिप्पण 10 देखिए) ।

हस्ताक्षर

(आवेदक)

स्थायी

मैं, ..... जो थी ..... का पूत्र/पुत्री।  
 पत्ती हूँ सत्य निष्ठा से घोषित करता हूँ कि ऊपर और उपांच में जिसके प्रत्यरूपत ऐसे उपांच के साथ संलग्न कथन और वस्तावेत भी है) जो कमिति किया गया है, वह मेरी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार मही और पूर्ण है। मैं यह और घोषित करता हूँ कि मैं.....  
 .....प्रशान्तियान के रूप में अपनी हैरियत में इस आवेदन को कर रहा हूँ और मैं इस आवेदन को करने के लिए और उसे संक्षापित करने के लिए सक्षम हूँ।

आज तारीख..... को संक्षापित किया गया।

स्थान: .....

हस्ताक्षर

(आवेदक)

1. समझीते के लिए आवेदन पांच अदियों में होना चाहिए।
2. समझीते के आवेदन के साथ पांच सी वपाएँ फीस दी जाएंगी कौपी संप्राधिकृत बैंक की शाखा या भारतीय स्टेट बैंक की शाखा या भारतीय रिजर्व बैंक की शाखा में जमा की जाएंगी और तीन प्रतियों में जालान समझीते के आवेदन के साथ समझीता अधिकारी को भेजा जाएगा। समझीता अधिकारी चैक, ब्रूप्ट हुए हों या अन्य प्रकारम् विधिवत् स्वीकार नहीं करेगा।
3. \*आवेदन का संशोधक और वर्ष समझीता अधिकारी के कार्यालय में भरे जाएंगे।
4. कृपया यह बताएं कि आवेदक व्यक्ति है या हिन्दू अधिकारक कुटुम्ब, कम्पनी, फर्म, व्यक्ति-संगम आदि हैं।
5. यदि रिक्त स्थान यथेष्ट प्रतीत नहीं होता है तो इस प्रयोगत के लिए पृष्ठक संलग्नकों का प्रयोग किया जा सकता है।
6. निर्धारण कार्यवाहियों जो तेजा में उस निर्धारण अधिकारी के पदाधिकार का त्वरित किया जाए जिसके द्वाये कार्यवाहा संक्षिप्त हैं।

और यह भी नलेज किया जाए कि धन-कर अधिनियम, 1957 की धारा 14(2)/धारा 17 के प्रयोग सूचना को तारीख किस तारीख को की गई थी या, याचिन्यति, उत्तर अधिनियम की धारा 14 के प्रधीन विवरणों किस तारीख को फाइल की गई थी। अग्रोली कार्यवाहियों की दस्ता में यह बताएं कि अपील किस प्राविकारी के समक्ष और किस तारीख को धारत की गई है। पुनरीक्षण याचिका की दस्ता में यह बताएं कि पुनरीक्षण याचिका किस तारीख को फाइल की गई थी और क्या यह याचिका समय के भीतर फाइल की गई थी।

7. उन विवादों के पूरे व्यापर अधिकृत के लिए समझीते का आवेदन किया गया है, मामले की प्रकृति और परिस्थितियों और उसमें प्रत्यरूपता आवेदन की विवादात् मद 10 के साथ से अवश्य वर्णिये जाने चाहिए। जहाँ आवेदन का संबंध है एक निर्धारण वर्ष से अधिक निर्धारण वर्षों से है, वहाँ पर व्यापर निर्धारण वर्षवार दिए जाने चाहिए।

8. आवेदक को भासले के समझीते के लिए जिए गए आवेदन को वापस लेने की अनुमति दी जाएगी।

9. मद 11 में निर्विष्ट धन पर संदेश धन-कर की अतिरिक्त रकम की संलग्ना धारा 23A की उपधारा 1(क) से (1व) में अधिकारित रीति में की जाएगी।

10. मद 11 में निर्विष्ट धन पर आवेदन के उपांच में लिए जाएंगे।

## उपांच

धन-कर अधिनियम, 1961 की धारा 22A (1) के

अधीन आवेदन की मद 11 में निर्विष्ट विविट्यों को अंतिविष्ट करने वाला कथन।

1. धन की वह रकम जो निर्धारण अधिकारी के समक्ष प्रकट नहीं की गई है।

2. उक्त धन पर संदेश धन-कर की अतिरिक्त रकम

3. समझीतों किए जाने वाले विवादों की वावत इसके अन्तर्गत आवेदन द्वारा ईमित समझीतों के निर्धारण सूची है, तथ्यों का पूर्ण और सटी विवरण।

4. रीति जिसमें मद सं. 1 में निर्विष्ट आय अनुपलग्न सही है।

स्थान :

तारीख

हस्ताक्षर

(आवेदक)

टिप्पण : उपांच के साथ निम्नलिखित संलग्न द्वाना चाहिए—

(i) विवरण जिसमें/जिसमें उस निर्धारण वर्ष या वर्षों के लिए जिसके अधिनियम के उपबंधों के अनुसार समझीतों के आवेदन का संबंध है, आवेदन की कुल धन को द्वाया सम्मिलित है;

(ii) मूल्यांकन को तारीख को भारत में और उसके बाहर मरमिलत अस्तियों (जाल और स्थावर) और व्यक्तियों का एक विस्तृत विवरण।"

[फाइल सं. 8073/134/3/87 दीवीएल]

[S. N. रित्य, निर्विष्ट (दीवीएल-3)]

**MINISTRY OF FINANCE**  
**(Department of Revenue)**  
**CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES**  
New Delhi, the 17th August, 1988

**NOTIFICATION**

**WEALTH-TAX**

S.O. 761(E).—In exercise of the powers conferred by section 46 of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following rules further to amend the Wealth-tax Rules, 1957, namely :—

1. (1) These rules may be called the Wealth-tax (Third Amendment) Rules, 1988.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. In the Wealth-tax Rules, 1957, for Form DA the following form shall be substituted, namely :—

**FORM DA**

**(See rules 4A and 4AA)**

Form of application for settlement  
of cases under section 22C(1)  
of the Wealth-tax Act, 1957

**IN THE SETTLEMENT COMMISSION.....**

\*Settlement application No..... 19. .... 19. ....

1. Full name and address of the applicant
2. Permanent Account Number
3. Status [See Note 4]
4. The Commissioner having jurisdiction over the applicant
5. Assessment year(s) in connection with which the application for settlement is made
6. Date of filing the return of wealth for assessment year(s) referred to in column 5.
7. Proceedings to which application for settlement relates, the date from which proceedings are pending and the wealth-tax authority before whom the proceedings are pending [See Note 6].
8. Where any appeal or application for revision has been preferred after the expiry of the period specified for the filing of such appeal or application for revision, as the case may be, whether such appeal or revision has been admitted.
9. Date of seizure, if any, under section 37A of the Wealth-tax Act.
10. Particulars of the issues to be settled, nature and circumstances of the case and complexities of investigation involved [See Note 7].

11. Full and true disclosure of wealth which has not been disclosed before the Assessing Officer, the manner in which such wealth has been derived and the additional amount of wealth-tax payable on such wealth [See Notes 9 and 10].

Signed  
(Applicant)

**VERIFICATION**

..... son|daughter|wife of ..... do hereby solemnly declare that to the best of my knowledge and belief, what is stated above and in the Annexure [including the statement(s) and documents accompanying such Annexure] is correct and complete. I further declare that I am making this application in my capacity as ..... and that I (designation) am competent to make this application and to verify it.

Verified today the ..... day of ..... 19.....  
Place.....

Signed  
(Applicant)

Notes :—

1. The application for settlement must be in quintuplicate.
2. The application for settlement must be accompanied by a fee of five hundred rupees. The fee should be credited in a branch of the authorised bank or a branch of the State Bank of India or a branch of the Reserve Bank of India and the triplicate challan sent to the Settlement Commission with the application for settlement. The Settlement Commission will not accept cheques, drafts, hundies or other negotiable instruments.
3. \*The number and year of application will be filled in, in the office of the Settlement Commission.
4. Please state whether individual, Hindu undivided family, or a company.
5. If the space provided is found insufficient, separate enclosures may be used for the purpose.
6. In case of assessment proceedings, indicate the designation of the Assessing Officer before whom the proceedings are pending indicating also the date of service of notice under section 14(2) [section 17 of the Wealth-tax Act, 1957, or, as the case may be, the date of filing of the return under section 14 of the said Act. In case of appellate proceedings, indicate the appellate authority before whom the appeal is filed and the date of filing of the appeal. In

- case of revision petition indicate the date of filing the revision petition and whether the same is filed within time or not.
7. Full details of issues for which application for settlement is made, the nature and circumstances of the case and complexities of the investigation involved must be indicated against item 10. Where the application relates to more than one assessment year, these details should be furnished for each assessment year.
  8. The application for settlement of a case shall not be allowed to be withdrawn by the applicant.
  9. The additional amount of wealth-tax payable on the wealth referred to in item 11 should be calculated in the manner laid down in sub-sections (1A) to (ID) of section 22C.
  10. The details referred to in item 11 shall be given in the Annexure to this application.

#### ANNEXURE

#### STATEMENT CONTAINING PARTICULARS REFERRED TO IN ITEM 11 OF THE APPLICATION UNDER SECTION 22C(1) OF THE WEALTH TAX ACT, 1957

1. Wealth which has not been disclosed before the Assessing Officer

2. Additional amount of wealth-tax payable on the said wealth
3. Full and true statement of facts regarding issues to be settled, including the terms of settlement sought for by the applicant
4. The manner in which the wealth referred to in item No. 1 has been derived.

Place.....

Date.....

Signed  
(Applicant)

Note:—The Annexure should be accompanied by—

- (i) a statement(s) containing computation of net wealth of the applicant for the assessment year or years to which the application for settlement relates, in accordance with the provisions of the Act; and
- (ii) a detailed statement of assets (movable and immovable) and debts, located in India and outside, as on the valuation date.”

[No. 8073 F. No. 134/3/87-TPL]

K. K. MITTAL, Director (TPL-II)



HB 3/4

# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

### असाधारण EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (II)  
PART II—Section 3—Sub-Section (II)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

द. 409]

नई दिल्ली, बुधवार, अप्रैल 17, 1988/श्रावण 26, 1910

No. 409] NEW DELHI, WEDNESDAY, AUGUST 17, 1988/SRAVANA 26, 1910

इस भाग में भिन्न पुष्ट संख्या वाली जाती है जिससे कि यह असाधारण संकलन को रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

#### विषय भंगालय

(राजस्व विभाग)

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

नई दिल्ली, 17 अप्रैल, 1988

प्रधिकारना

धायकर

का. प्रा. 762(अ) —केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ग्राम-नहर प्रविधियम, 1981 (1981 का 43) को भारा 295 वारा इस गठितों का प्रयोग करते हुए, ग्राम-नहर नियम, 1982 का और संतोषन करते के लिए निम्नलिखित नियम बनाता है, प्रयोगः—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम धायकर (सातवां संघोषण) नियम, 1988 है।

(2) ये रजपत्र में प्रकाशन की तरीका को प्रदत्त होते हैं।

2. धायकर नियम, 1982 के परिणाम 2 में पक्ष संख्या 34वीं के स्थान पर, निम्नलिखित प्रबल्प रखा जाएगा, प्रयोगः—

"प्रबल्प सं 34 ख

(नियम 44ग और नियम 44गक देखिए)

धायकर अधिनियम, 1961 की भारा 145ा (i) के अधीन मायने के समझौते के लिए ग्रामेन का प्रयोग समझौता ग्रामों के समन

\*समझौता ग्रामेन सं ..... 19 ..... 19

1. ग्रामेन का पूरा नाम और पता

2. स्थायी सेखा संख्या

3. प्राप्तियति, (टिप्पण 4 देखिए)

4. ग्रामेन पर ग्रामिकारिता रखने वाला ग्रामुक्त

5. नियरिग वर्ड नियम (नियम) संईक्ष में समझौते के लिए ग्रामेन किया गया है

6. संईक्ष 5 में नियिङ नियरिग वर्ड के लिए ग्राम की विवरणी काफ़िर करते का तरोक

7. समझौते के लिए ग्रामेन किए कार्यवाहियों के संबंध में है, वे कार्यवाहियों कह संचिन हैं और कि स ग्रामिकारी के समन लियिङ दै (टिप्पण 6 देखिए)

8. जिस पुनरोक्तण के लिए कोई ग्रामेन या ग्रामेन, धायकरिति पुनरोक्तण के लिए ऐसे ग्रामेन या ग्रामेन के काइन किए जा के किए नियिङ नियरिग वर्ड को समाप्ति के प्रकार किया गया है, चाहे ऐसी ग्रामेन या पुनरोक्तण स्वीकार किया गया हो ग्रामेन नहीं

9. ग्राम-नहर प्रविधियम को भारा 132 के अधीन अभिप्राय की तरीका, प्रदि जोई जो